व्यंग्य : “अंधेर नगरी, प्लेबॉय राजा”

-दिलीप कुमार'
अध्यक्ष : अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान, सूरत , प्रधान संपादक : ‘भाखा’ एवं ‘इंदु संचेतना’
https://sahityacinemasetu.com/vyangya-andher-nagari-playboy-raja/

कहते हैं कि अगर आप ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी से अपनी तालीम पूरी कर लें तो दुनिया भर की सबसे टॉप पोस्ट्स के दरवाजे आपके लिए खुल जाते हैं। तमाम मुल्कों के सदर ऑक्सफ़ोर्ड के ही पढ़े होते हैं। ऑक्सफ़ोर्ड भी अपनी इस विरासत पर गर्व करता रहा है, लेकिन पाकिस्तानी सदर इमरान खान के बयानों को देखकर ना सिर्फ पाकिस्तान के लोग शर्मिंदा हैं बल्कि ऑक्सफोर्ड के लोग भी अपना सर पीट रहे हैं कि ये हमने कैसे-कैसे लोगों को ऑक्सफ़ोर्ड से पास आउट कर दिया।

पिछले बरस इमरान खान ने जर्मनी और जापान की सीमा को मिलाकर अपने भौगोलिक ज्ञान से सबको चकित कर दिया था अब उन्होंने अपने इतिहास के ज्ञान से भी झंडे गाड़ दिए। हाल ही में तुर्की के राष्ट्रपति ऑर्गेदान से उन्होंने कहा “हमारे और आपके रिश्ते बहुत पुराने हैं, क्योंकि आपने 600 बरस तक हिंदुस्तान पर हुकूमत की।”

इस बयान की कई मायनों में खिल्ली उड़ी पहली बात तो उनके इतिहास के ज्ञान की थी कि तुर्की के लोगों ने कभी भी हिंदुस्तान पर शासन नहीं किया और अगर किया भी तो उससे पाकिस्तान का क्या ताल्लुक़? वो मुल्क पाकिस्तान जिसने अपने इतिहास से तक्षशिला और मोहनजोदड़ो को निकाल दिया और मध्य एशिया के डाकुओं गौरी, गजनवी, नादिरशाह तक को अपना हीरो मानता रहा हो। उसका तुर्की से क्या वास्ता?

ये तो ऐसे ही है कि भिखारी गर्व से कहे मैं जिस सड़क पर भीख माँगता हूँ, उसी सड़क से बीएमडब्ल्यू गुजरती है, भीख और बीएमडब्ल्यू का रास्ता साझा हुआ तो हम रिश्तेदार हो गए।

कोई बात नहीं भिखारी, भीख माँगने के लिये हर किसी से रिश्ता कर ही लेता है और पाकिस्तान हमेशा इसमें माहिर रहा है, कभी कश्मीर के नाम पर तो कभी तालिबान के नाम पर बरसों से भीख माँगने का अभ्यास है उनका।

कुछ बरस पहले वजीर-ए-आज़म पाकिस्तान इमरान खान (जिन्हें अब यू टर्न खान और तालिबान खान भी कहा जाता है) ने भारत के प्रधानमंत्री की बुद्धि पर एक अहमकाना कमेंट किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि वो ज़िंदगी भर ऐसा देखते आये हैं, जिसमें औसत बुद्धि के लोग बड़े पदों पर काबिज हो जाते हैं, जाहिर है अपनी बुद्धि को उन्होंने औसत की रेंज से बाहर रखा था, यानी कि वो या तो टॉप पर हैं या बॉटम पर। पाकिस्तान के ये “नेशनल प्रॉब्लम” हो गयी है कि उनके वसीले को कोई समझ नहीं पाता ।

मसलन पाकिस्तान खुद को “आतंकवाद से पीड़ित देश” बताता है जबकि समूची दुनिया पाकिस्तान को “दहशतगर्दी का एक्सपोर्टर” मानती है। पाकिस्तान में दहशतगर्दी उद्योग है, सबसे आर्गनाइज्ड ढंग से आतंकवाद में शामिल होने वाले उत्पादों के हर ब्रांड उनके पास तैयार होते हैं। खुदकुश हमलावर से लेकर

प्लेन उड़ाने वालों को "डाक्टर ऑफ फिलासफी" के समतुल्य माना जाता है क्योंकि ये एक ऐसी फिलासफी है जिसमें व्यक्ति खुद को भी कुर्बान कर देता है अपनी आडियोलॉजी के प्रचार-प्रसार के लिये।

दूसरी किस्म उन लोगों की है जो वेतन भोगी दहशतगर्दी का कोर्स करके तैयार होते हैं, ये सिर्फ भारत भेजे जाते हैं ये अपनी इंटर्नशिप और ऑन साइट भारत में पूरी करते हैं, इन लोगों को भारत की जेलों के शाकाहारी भोजन खाने का बरसों अभ्यास कराया जाता है ताकि पकड़े जाने पर ये अधिकतम वर्षों तक जी सकें, इन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के सुस्त ट्रायल पर काफी यकीन होता है, मसूद अजहर और जरगर जैसे लोग इस श्रेणी में आते हैं।

तीसरी किस्म उन अल्प शिक्षित लोगों की होती है जो टेरर फैक्ट्री के मजहबी स्कूलों से निकलते हैं जो पूरी मानवता को नष्ट कर देने पर आमादा होते हैं और खास तौर पर उस भारत को जो उन्हें दवाई, और नमक जैसी बुनियादी चीजें फरहाम कराता रहता है, इन्हें बचपन से जन्नत की तलब रहती है। इन्हें मौलाना तारिक जमील जैसे लोग 130 फ़ीट की 72 हूरें और शहद और दूध की नदियों के अलावा इफरात शराब की भी गारंटी देते हैं आईयसआई मार्का। क्योंकि भारत में रोजमर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले सामान की गारंटी के लिये आईएसआई मार्का होना जरूरी है वैसे ही पाकिस्तान में हर गुनाहे अजीम को अंजाम देने के लिये आईयसआई की सरपरस्ती जरूरी है आखिर हर गुनाह का इनाम आईयसआई को ही देना होता है, यहाँ तक पपेट प्राइम मिनिस्टर मियां नियाजी भी वही बोलते और कहते हैं जो आईएसआई कहती है।

दुनिया भले ही कुछ कहती है लेकिन पाकिस्तान का खुद के बारे में कहना-सुनना काफी मानीखेज रहता है।

1-दुनिया की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे वाहिद मुल्क हो गया है जिसकी करेंसी और रहन-सहन का स्तर मलावी जैसे मुल्कों से भी नीचे चला गया है लेकिन यूनाइटेड नेशन के अधिवेशन में भाग लेने गए पाकिस्तान के मिनिस्टर शहरयार अफरीदी न्यूयॉर्क की गरीबी देखकर वहीं से हर पाकिस्तानी को बताने लगे कि पाकिस्तान में पैदा होने वाले लोग दुनिया में सबसे खुशहाल ज़िंदगी जीते हैं और अमेरिका में कितनी गरीबी है, वाकई ये एजाज पाकिस्तान वालों को ही नसीब है।

2-शोएब अख्तर फरमाते हैं कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे सुरक्षित मुल्क है क्रिकेट खेलने के लिये आज की तारीख में, न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड ने अपना पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने का दौरा गलती से मुल्तवी कर दिया है, वैसे ये वैसा ही मजाक है जैसे मरहूम कॉमेडियन उमर शरीफ फरमाते थे कि बिना सिक्युरिटी के सुपर पावर फील करने का गट्स सिर्फ पाकिस्तानी बाशिंदों को हासिल है ।

3-पाकिस्तान की टीवी एंकर फिजा खान (जिन्हें अब आम पाकिस्तानी लोग पिज़्ज़ा खान बुलाते हैं) अब भारत में काफी मशहूर हो गयी हैं, उनकी हालत मुहल्ले की उस बुढ़िया की तरह हो गयी है जिसके घर पर लड़के दोपहरी में दस्तक देकर भाग जाते थे और फिर बुढ़िया उन लड़कों को ऐसी-ऐसी क्लासिक गालियाँ देती थी कि लड़के हँस-हँस के लहालहोट हो जाते थे, ऐसा ही भारत के कुछ नटखट लड़के करते हैं फिजा आंटी को ईमेल और कमेंट से इतना हैरान करते हैं कि वो इतना ऊलजुलूल बकती हैं कि खासा मनोरंजन हो जाता है लोगबाग तो उन्हें "पाकिस्तानी जर्नलिज्म का राखी सावंत" बुलाते हैं, हालांकि उनके पास

उनकी अपनी ड्रामा क्वीन कंदील बलोच थीं मगर अफसोस अब वो मरहूम हो गईं, उम्मीद है फिजा अकबर खान उनकी कमी खलने नहीं देंगी।

4-इस बीच पाकिस्तान के डुप्लीकेट अफगानी तालिबान ने कहा है कि वो चीन बॉर्डर पर खुदकुश हमलावरों की एक ऐसी टुकड़ी "लश्कर-ए-मंसूर "तैनात करेगी। तालिबान का बम धमाके करने का तजुर्बा इतना ज्यादा है और उनके पास खुदकुश हमलावरों की तादाद इतनी ज्यादा है कि उन्होंने दुश्मन से लड़ने के लिये गोला-बारूद का इस्तेमाल करने के बजाय अपने मुल्क के बन्दे खर्च करना ज्यादा मुफीद लगता है, लोग मानते हैं कि खुदकुश हमलावरों की ट्रेनिंग लश्कर-ए-तैय्यबा ने दी है, इसे कहते हैं पाकिस्तान के इल्म का विस्तार, नॉलेज का एक्सपर्ट ।

इस बीच इमरान खान ने न्यूज़ीलैंड की पीएम साहिबा से अर्ज की है कि आपने क्रिकेट नहीं खेली तो कम से कम उस 27 लाख रुपये की बिरयानी का भुगतान तो कर दें जो आपके क्रिकेटरों के सुरक्षा कर्मियों ने खाये हैं। पीएम साहिबा ने पीएम इमरान खान से भुगतान की हामी भरने के बाद अगले दिन "यू टर्न" का मैसेज भेज दिया है जिससे "इमी द डिमी" क्लीन बोल्ड हो गया है "इस बात पर मुंबई वाले शर्मा जी का लड़का (जिस पर पाकिस्तान आरोप लगाता है कि उसी के ईमेल भेजने के कारण दोनों अंग्रेजी मुल्कों ने अपना पाकिस्तान का क्रिकेट दौरा कैंसिल कर दिया और जो ईमेल भेजने में माहिर है) दुनिया भर की मीम बनाने वाले एजेंसियों को ईमेल भेजने में जुट गया है ।

आपको भी शर्मा जी के लड़के का ईमेल मिला क्या?